सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष : २०१९-२०

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	अनिवार्य								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी कहानी साहित्य : कथा-सरिता एवं व्याकरण								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०४	०१	०१	००	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०१	अनिवार्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रों को हिन्दी कहानी साहित्य से परिचित कराना ।
- छात्रों की कहानी लेखन की सर्जनात्मक प्रतिभा को विकसित करना ।
- छात्रों को व्याकरण संबंधी जानकारी देना ।
- छात्रों की शब्द सम्पदा को विकसित करना ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय			अंक		क्रेडिट	
					नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	एक टोकरी भर मिट्टी	माधवराय सप्रे का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	कहानी कला के आधार पर 'एक टोकरी भर मिट्टी' का मूल्यांकन	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
			'एक टोकरी भर मिट्टी' कहानी की कथावस्तु	'एक टोकरी भर मिट्टी' में व्यक्त मानवीय संवेदना				
		उसने कहा था	चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	कहानी के तत्त्वों के आधार पर 'उसने कहा था' का मूल्यांकन				
			'उसने कहा था' कहानी का कथानक	'उसने कहा था' कहानी के पात्रों का चरित्रांकन				
			'उसने कहा था' कहानी में व्यक्त प्रेम और कर्तव्य	'उसने कहा था' कहानी में व्यक्त संदेश				
	ईकाई-२	कफन	प्रेमचंद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	कहानी कला के आधार पर 'कफन' का मूल्यांकन				
			'कफन' कहानी का कथासार	'कफन' कहानी के पात्रों की चारित्रिक विशेषताएँ				
			'कफन' कहानी में व्यक्त सामन्ती औपनिवेशिक गठबंधन	'कफन'कहानी का परिवेश				
		पुरस्कार	जयशंकर प्रसाद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	कहानी कला के आधार पर 'पुरस्कार' का मूल्यांकन				
			'पुरस्कार' कहानी की कथावस्तु	'पुरस्कार' कहानी के पात्रों का चरित्रांकन				
			'पुरस्कार' कहानी में अभिव्यक्त राष्ट्रीय भावना	'पुरस्कार' कहानी में व्यक्त देश-प्रेम				
	ईकाई-३	हार की जीत	सुदर्शन का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	बाबा भारती का चरित्र-चित्रण				
			'हार की जीत' कहानी का कथानक	'हार की जीत' कहानी में व्यक्त पशु-प्रेम				
			कहानी कला के आधार पर 'हार की जीत' का मूल्यांकन	'हार की जीत' कहानी का भावार्थ				
		व्याकरण	कहावत					
	ईकाई-४	व्याकरण	मुहावरें					
			समानार्थी शब्द					
			विलोमार्थी शब्द					
			कुल अंक एवं क्रेडिट		७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	

	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – कहावत – समानार्थी शब्द, – मुहावरें – विलोमार्थी शब्द		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : कथा सरिता
संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा
प्राप्ति स्थान : शान्ति प्रकाशन डी – १९/२२० नंदनवन एपार्टमेन्ट (भावसार होस्टेल के पास), नवा वाड़ज अहमदाबाद (गुजरात) ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी कहानी का इतिहास : गोपालदास – राजकमल प्रकाशन, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली
२. हिन्दी कहानी का इतिहास : लालचन्द्र गुप्त– राधाकृष्ण प्रकाशन, अंसारी मार्ग, नई दिल्ली
३. हिन्दी कहानी की विकास प्रक्रिया : डॉ. आनंद प्रकाश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
४. हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ : सुरेश चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, अंसारी मार्ग, नई दिल्ली
५. हिन्दी कहानी : आठवाँ दशक : सरबजीत – राधाकृष्ण प्रकाशन, अंसारी मार्ग, नई दिल्ली
६. आज की कहानी – डॉ. के. एम. मालती, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
७. साठोत्तरी हिन्दी कहानी – सामाजिक चेतना : डॉ. के. एम. मालती, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
८. आधुनिक हिन्दी कहानी – सामाजिक चेतना : डॉ. एस. मेहरून, मिलिन्द प्रकाशन, हैदराबाद
९. हिन्दी की चर्चित कहानियों का पुनर्मूल्यांकन : डॉ. कुसुम वार्ष्णेय – साहित्य भवन, इलाहाबाद
१०. आधुनिक हिन्दी कहानी : डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
११. आधुनिक व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद – भारती भवन, पटना
१२. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद – भारती भवन, पटना
१४. मानक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. हरिवंश तरूण– प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
१५. हिन्दी भाषा और लिपि : धीरेन्द्र वर्मा – हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद
१६. हिन्दी भाषा का इतिहास : धीरेन्द्र वर्मा – हिन्दुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग
१७. हिन्दी व्याकरण कौमुदी : लोकनाथ द्विवेदी शीलाकारी – साथी प्रकाशन, सागर, मध्यप्रदेश ।
१८. भाषा विज्ञान की भूमिका : डॉ. देवेन्द्र वर्मा – राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
१९. हिन्दी प्रयोग : रामचंद्र वर्मा – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष :२०१९-२०

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	मुख्य (पेपर-०१)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी कविता : हिन्दी कविता कल और आज								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०१	०१	०१	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०१	मुख्य	०३	३०	७०	-	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रों को हिन्दी कविता से परिचित कराना ।
- कविता लेखन की सर्जनात्मक प्रतिभा को विकसित करना ।
- हिन्दी कविता का इतिहास समझाना ।
- छात्रों को हिन्दी कविता में व्यक्त भारतीय अस्मिता को समझाना ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय			अंक		क्रेडिट	
					नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	'माता की व्यथा'	अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'माता की व्यथा' काव्य का भावार्थ	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
			'माता की व्यथा' काव्य में यशोदा की वात्सल्य-भावना	'माता की व्यथा' काव्य में यशोदा माता की विरह भावना				
		उर्मिला का अनुराग	मैथिलिशरण गुप्त का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'उर्मिला का अनुराग' काव्य में प्रेम भावना				
			भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से उर्मिला का अनुराग' काव्य का मूल्यांकन	'उर्मिला का अनुराग' काव्य का भावार्थ				
	ईकाई-२	अन्वेषण	रामनरेश त्रिपाठी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'अन्वेषण' काव्य का केन्द्रवर्ती विचार				
			भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'अन्वेषण' काव्य का मूल्यांकन	'अन्वेषण' काव्य में व्यक्त ईश्वर प्रेम				
		विद्रोही	माखनलाल चतुर्वेदी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'विद्रोही' काव्य का भावार्थ				
			भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'विद्रोही' काव्य का मूल्यांकन	'विद्रोही' काव्य में व्यक्त केन्द्रवर्ती विचार				
	ईकाई-३	अरूण यह मधुमय देश हमारा	जयशंकर प्रसाद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'अरूण यह मधुमय देश हमारा' कविता में व्यक्त भारतीयता				
			'अरूण यह मधुमय देश हमारा' काव्य का केन्द्रवर्ती विचार	'अरूण यह मधुमय देश हमारा' कविता में व्यक्त प्राकृतिक सौंदर्य				
		आह्वान	सियारामशरण गुप्त का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'आह्वान' काव्य का भावार्थ				
			भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'आह्वान' काव्य का मूल्यांकन	'आह्वान' कविता में व्यक्त संदेश				
	ईकाई-४	वे मुस्काते फूल नहीं	महादेवी वर्मा का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'वे मुस्काते फूल नहीं' काव्य का केन्द्रवर्ती विचार				
			भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'वे मुस्काते फूल नहीं' काव्य का मूल्यांकन	'वे मुस्काते फूल नहीं' काव्य का भावार्थ				
		मैं नीर भरी दु:ख की बदली	'मैं नीर भरी दु:ख की बदली' काव्य का भावार्थ	'मैं नीर भरी दु:ख की बदली' काव्य में व्यक्त नारी की मनोव्यथा				
			'मैं नीर भरी दु:ख की बदली' काव्य में महादेवी की अनुभूति	'मैं नीर भरी दु:ख की बदली' काव्य का काव्य सौष्ठव				
		कुल अंक एवं क्रेडिट			७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'माता की व्यथा ' की यशोदा – 'अन्वेषण' काव्य का उद्देश्य – 'अरूण यह मधुमय देश हमारा' काव्य का शीर्षक – 'उर्मिला का अनुराग' काव्य के शीर्षक की सार्थकता – 'विद्रोही' कविता का शीर्षक – 'आह्वान' काव्य की भाषा – 'वे मुस्काते फूल नहीं' कविता का संदेश – 'मैं नीरभरी दु:ख की बदली' काव्य की प्रतीक योजना		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : हिन्दी कविता : कल और आज
संपादक : दशरथ ओझा
प्राप्ति स्थान : एस. चंद एण्ड कंपनी (प्राईवेट लिमिटेड) रामनगर, नई दिल्ली – ११००५५

संदर्भ ग्रंथ :

१. छायावाद और उसके कवि : डॉ. इन्द्रराजसिंह – तक्षशीला प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
२. कविता की नयी अवधारणा : डॉ. राजेन्द्र मिश्र – तक्षशीला प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
३. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि : श्री निवास शर्मा – तक्षशीला प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
४. समकालीन हिन्दी कविता : ए. अरविंदाक्षन – तक्षशीला प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
५. आधुनिक हिन्दी कविता : विश्वनाथप्रसाद तिवारी : राजकमल प्रकाशन, सुभाष मार्ग, नई दिल्ली
६. समकालीन हिन्दी कविता : विश्वनाथप्रसाद तिवारी : राजकमल प्रकाशन, सुभाष मार्ग, नई दिल्ली
७. आधुनिक कविता यात्रा, राम स्वरूप चतुर्वेदी – लोकभारती प्रकाशन, इलहाबाद
८. नयी कविताएँ : एक साक्ष्य : रामस्वरूप चतुर्वेदी – लोकभारती प्रकाशन, इलहाबाद
९. नयी कविता की पहचान : राजेन्द्र मिश्र : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
१०. नयी कविता : डॉ. देवराज – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
११. छायावादी काव्य में आत्माभिव्यक्ति : डॉ. शुभदा वाजपेयी – विकास प्रकाशन, कानपुर
१२. हिन्दी के प्रमुख कवि : रचना शिल्प : डॉ. अरविंद पाण्डेय, विकास प्रकाशन, कानपुर
१३. इक्कीसवीं सदी की हिन्दी कविता : डॉ. स्मिता सी. पटेल – शान्ति प्रकाशन, अहमदाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष : २०१९-२०

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	मुख्य (पेपर-०२)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी कहानी साहित्य : कहानी नई पुरानी								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०१	०१	०२	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०१	मुख्य	०३	३०	७०	-	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्रों को हिन्दी कहानी साहित्य से परिचित कराना ।
- छात्रों को पुरानी हिन्दी कहानी के साहित्य स्वरूप से अवगत कराना ।
- कहानी लेखन की सर्जनात्मक प्रतिभा को विकसित करना ।
- छात्रों को नई हिन्दी कहानी के साहित्य स्वरूप से अवगत कराना ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय		अंक		क्रेडिट	
				नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	कहानी के तत्त्वों के आधार पर 'उसने कहा था' का मूल्यांकन	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		'उसने कहा था' कहानी का कथानक	'उसने कहा था' कहानी के पात्रों का चरित्रांकन				
		'उसने कहा था' कहानी में व्यक्त प्रेम और कर्तव्य	'उसने कहा था' कहानी का परिवेश				
		जयशंकर प्रसाद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'आकाश-दीप' कहानी के पात्रों का चरित्रांकन				
		'आकाश-दीप' कहानी का कथानक	'आकाश-दीप' कहानी में व्यक्त प्रेम और कर्तव्य का द्वन्द्व				
		कहानी कला के आधार पर 'आकाश-दीप' का मूल्यांकन	'आकाश-दीप' कहानी का सामुद्रिक परिवेश				
	ईकाई-२	प्रेमचंद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'नमक का दारोगा' कहानी के पात्रों का चरित्रांकन				
		'नमक का दारोगा' कहानी का कथासार	'नमक का दारोगा' कहानी में व्यक्त सामाजिक समस्याएँ				
		कहानी कला के आधार पर 'नमक का दारोगा' का मूल्यांकन	'नमक का दरोगा' कहानी में व्यक्त समाज-संघर्ष				
		वृन्दावनलाल वर्मा का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	कहानी कला के आधार पर 'शरणागत' का मूल्यांकन				
		'शरणागत' कहानी का कथानक	'शरणागत' कहानी के चरित्रों का चरित्रांकन				
	ईकाई-३	यशपाल का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'परदा' कहानी के चरित्रों का चरित्रांकन				
		'परदा' कहानी का कथानक	'परदा' कहानी में व्यक्त सामाजिक यथार्थ				
		कहानी कला के आधार पर 'परदा' का मूल्यांकन	'परदा' कहानी में वर्ण-संघर्ष				
		हरिशंकर परसाई का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'मलबे का मालिक' कहानी में व्यक्त साम्प्रदायिकता				
		'मलबे का मालिक' कहानी का कथासार	'मलबे का मालिक' कहानी में देश-विभाजन की त्रासदी				
		कहानी कला के आधार पर 'मलबे का मालिक' का मूल्यांकन	'मलबे का मालिक' कहानी के पात्रों का चरित्रांकन				
	ईकाई-४	हरिशंकर परसाई का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'भोलाराम का जीव' कहानी में हास्य-व्यंग्य				
		'भोलाराम का जीव' कहानी की कथावस्तु	'भोलाराम का जीव' कहानी में व्यक्त भ्रष्टाचार				
		कहानी कला के आधार पर 'भोलाराम का जीव' का मूल्यांकन	'भोलाराम का जीव' कहानी का परिवेश				
		कमलेश्वर का व्यक्तित्व एव कृतित्व	'सौंप' कहानी में व्यक्त मनोवैज्ञानिकता				
		'सौंप' कहानी का कथानक	'सौंप' कहानी की प्रतिकात्मकता				
		कहानी कला के आधार पर 'सौंप' कहानी का मूल्यांकन	'सौंप' कहानी की भाषा-शैली				
		कुल अंक एवं क्रेडिट		७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'उसने कहा था ' कहानी का शीर्षक – 'परदा' कहानी की संवाद योजना – 'नमक का दारोगा' कहानी का शीर्षक – 'भोलाराम का जीव' कहानी का उद्देश्य – 'आकाश–दीप'कहानी का उद्देश्य – 'शरणागत' कहानी की भाषा शैली – 'मलबे का मालिक' कहानी का उद्देश्य – 'साँप' कहानी का शीर्षक		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : कहानी नई पुरानी
संपादक : सोमेश्वर पुरोहित
प्राप्ति स्थान : नवजीवन प्रकाशन, अहमदाबाद – ३७००१४

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ : सुरेश चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, अंसारी मार्ग, नई दिल्ली
२. कहानी : नयी पुरानी : डॉ. नामवरसिंह – लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
३. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति : देवीशंकर अवस्थी – राजकमल प्रकाशन, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली
४. नयी नहानी : परिवेश और परिपप्रेक्ष्य : डॉ. रतनकुमार पाण्डेय – विश्वविद्यालय प्रकाशन
५. हिन्दी कहानी की विकास प्रक्रिया : डॉ. आनंद प्रकाश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
६. कथा भारती : संपादक – डॉ. मेरगसिंह यादव – दर्पण प्रकाशन, वल्लभविद्यानगर
७. हिन्दी कहानी : आठवाँ दशक : सरबजीत – राधाकृष्ण प्रकाशन, अंसारी मार्ग, नई दिल्ली
८. आज की कहानी – डॉ. के. एम. मालती, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
९. साठोत्तरी हिन्दी कहानी – सामाजिक चेतना : डॉ. के. एम. मालती, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१०. आधुनिक हिन्दी कहानी – सामाजिक चेतना : डॉ. एस. मेहरून, मिलिन्द प्रकाशन, हैदराबाद
११. हिन्दी की चर्चित कहानियों का पुनर्मूल्यांकन : डॉ. कुसुम वार्ष्णेय – साहित्य भवन, इलाहाबाद
१२. आधुनिक हिन्दी कहानी : डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
१३. हिन्दी कहानी का इतिहास – गोपालराय – राजकमल प्रकाशन, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली
१४. हिन्दी कहानी का इतिहास – लालचन्द्र गुप्त – राधाकृष्ण प्रकाशन, अंसारी मार्ग, नई दिल्ली
१५. हिन्दी कहानी की विकास प्रक्रिया – डॉ. आनंद – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष : २०१९-२०

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	गौण-०१ (पेपर-०१)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी काव्य								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०२	०१	०१	०१	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०१	गौण-१	०३	३०	७०	-	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रों को हिन्दी कविता साहित्य से परिचित कराना ।
- छात्रों की कविता लेखन की सर्जनात्मक प्रतिभा को विकसित करना ।
- छात्रों को व्याकरण संबंधी जानकारी देना ।
- छात्रों की शब्द सम्पदा को विकसित करना ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय		अंक		क्रेडिट	
				नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	माखनलाल चतुर्वेदी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'पुष्प की अभिलाषा' काव्य में व्यक्त राष्ट्रीयता	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		'पुष्प की अभिलाषा' का काव्य का भावार्थ	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'पुष्प की अभिलाषा' का मूल्यांकन				
		'पुष्प की अभिलाषा' काव्य का केन्द्रवर्ती विचार	'पुष्प की अभिलाषा' काव्य का शीर्षक				
		'कैदी और कोकिल' काव्य का भावार्थ	'कैदी और कोकिल' काव्य में व्यक्त कवि की राष्ट्रीय चेतना				
		'कैदी और कोकिल' काव्य में व्यक्त भारतीय सेनानी यातना	'कैदी और कोकिल' काव्य का केन्द्रवर्ती विचार				
		'कैदी और कोकिल' काव्य का संदेश	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'कैदी और कोकिल' काव्य का मूल्यांकन				
	ईकाई-२	सूर्यकान्त त्रिपाठी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'तोड़ती पत्थर' का मूल्यांकन				
		'तोड़ती पत्थर' कविता का भावार्थ	'तोड़ती पत्थर' काव्य में व्यक्त शोषिक और शोषित का संघर्ष				
		'तोड़ती पत्थर' व्यक्त श्रमीक नारी की वेदना	'तोड़ती पत्थर' काव्य में व्यक्त आधुनिकता				
		'भिक्षुक' कविता का यथार्थ	'भिक्षुक' कविता में व्यक्त संदेश				
		'भिक्षुक' कविता में व्यक्त उपेक्षित वर्ग की करूणता	भावपक्ष एवं कलापक्ष दृष्टि में 'भिक्षुक' कविता का मूल्यांकन				
		'स्नेह निर्झर वह गया है' कविता का भावार्थ	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'स्नेह निर्झर वह गया है' कविता का मूल्यांकन				
		'स्नेह निर्झर वह गया है' कविता का केन्द्रवर्ती विचार	'स्नेह निर्झर वह गया हैं' कविता का शीर्षक				
	ईकाई-३	सुभद्राकुमारी चौहान का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'मुरझाया फूल' कविता का मूल्यांकन				
		'मुरझाया फूल' कविता का भावार्थ	'मुरझाया फूल' कविता में व्यक्त मनुष्य जीवन की नि:सारता				
		'वीरों का कैसा हो वसंत' कविता का केन्द्रवर्ती विचार	'वीरों का कैसा हो वसंत' कविता में व्यक्त देशप्रेम				
		वीरों का कैसा हो वसंत' कविता का भावार्थ	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'वीरों का कैसा हो वसंत' कविता का मूल्यांकन				
	ईकाई-४	अज्ञेय का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'हिरोशीमा' काव्य में व्यक्त विज्ञान के विध्वंसक रूप				
		'हिरोशीमा' काव्य का भावार्थ	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'हिरोशीमा' काव्य का मूल्यांकन				
		'नदी के द्वीप' कविता का भावार्थ	'नदी के द्वीप' कविता का केन्द्रवर्ती विचार				
		'नदी के द्वीप' कविता में प्रतिकात्मकता	'नदी के द्वीप' कविता का भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से मूल्यांकन				
		कुल अंक एवं क्रेडिट		७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'पुष्प की अभिलाषा' का उद्देश्य – 'स्नेह निर्झर वह गया है' का उद्देश्य – 'नदी के द्वीप' कविता का उद्देश्य – 'कैदी और कोकिल' का शीर्षक – 'मुरझाया फूल' कविता का शीर्षक – 'तोडती पत्थर' का शीर्षक – 'वीरों का कैसा हो वसंत' कविता में शूरवीरता – 'भिक्षुक' का उद्देश्य – 'हिरोशीमा' में व्यक्त केन्द्रवर्ती विचार		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : आधुनिक हिन्दी काव्य
संपादक : डॉ. पाराशर
प्राप्ति स्थान : पार्श्व पब्लिकेशन, अहमदाबाद

संदर्भ ग्रंथ :

१. छायावाद और उसके कवि : डॉ. इन्द्रराजसिंह – तक्षशीला प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
२. कविता की नयी अवधारणा : डॉ. राजेन्द्र मिश्र – तक्षशीला प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
३. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि : श्री निवास शर्मा – तक्षशीला प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
४. समकालीन हिन्दी कविता : ए. अरविंदाक्षन – तक्षशीला प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
५. आधुनिक हिन्दी कविता : विश्वनाथप्रसाद तिवारी : राजकमल प्रकाशन, सुभाष मार्ग, नई दिल्ली
६. समकालीन हिन्दी कविता : विश्वनाथप्रसाद तिवारी : राजकमल प्रकाशन, सुभाष मार्ग, नई दिल्ली
७. आधुनिक कविता यात्रा, राम स्वरूप चतुर्वेदी – लोकभारती प्रकाशन, इलहाबाद
८. नयी कविताएँ : एक साक्ष्य : रामस्वरूप चतुर्वेदी – लोकभारती प्रकाशन, इलहाबाद
९. नयी कविता की पहचान : राजेन्द्र मिश्र : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
१०. नयी कविता : डॉ. देवराज – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
११. छायावादी काव्य में आत्माभिव्यक्ति : डॉ. शुभदा वाजपेयी – विकास प्रकाशन, कानपुर
१२. हिन्दी के प्रमुख कवि : रचना शिल्प : डॉ. अरविंद पाण्डेय, विकास प्रकाशन, कानपुर
१३. इक्कीसवीं सदी की हिन्दी कविता : डॉ. स्मिता सी. पटेल – शान्ति प्रकाशन, अहमदाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष : २०१९-२०

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	गौण-०१ (पेपर-०२)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	कथाभारती								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०१	०१	०२	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०१	गौण-१	०३	३०	७०	-	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्रों को हिन्दी कहानी साहित्य से परिचित कराना ।
- छात्रों को पुरानी हिन्दी कहानी के साहित्य स्वरूप से अवगत कराना ।
- छात्रों को वर्तमान कहानी-साहित्य स्वरूप से अवगत कराना ।
- कहानी लेखन की सर्जनात्मक प्रतिभा को विकसित करना ।
- छात्रों को नई हिन्दी कहानी के साहित्य स्वरूप से अवगत कराना ।
- छात्रों को कहानी में निरूपित वैचारिकता से परिचित कराना ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय		अंक		क्रेडिट	
				नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	कहानी के तत्त्वों के आधार पर 'उसने कहा था' का मूल्यांकन	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		'उसने कहा था' कहानी का कथानक	'उसने कहा था' कहानी के पात्रों का चरित्रांकन				
		'उसने कहा था' कहानी में व्यक्त प्रेम, कर्तव्य और बलिदान	'उसने कहा था' कहानी का परिवेश				
		जयशंकर प्रसाद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'व्रत भंग' कहानी की 'राधा' का चरित्रांकन				
		'व्रत भंग' कहानी का कथासार	'व्रत भंग' कहानी के पुरुष पात्रों का चरित्रांकन				
		कहानी कला के आधार पर 'व्रत भंग' कहानी का मूल्यांकन	'व्रत भंग' कहानी का ऐतिहासिकता				
	ईकाई-२	प्रेमचंद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	हामीद का चरित्र-चित्रण				
		'ईदगाह' कहानी का कथासार	'ईदगाह' कहानी में निरूपित बाल-मनोविज्ञान				
		कहानी कला के आधार पर 'ईदगाह' का मूल्यांकन	'ईदगाह' कहानी के चरित्रों का चरित्रांकन				
		सुदर्शन का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	बाबा भारती का चरित्र-चित्रण				
		'हार की जीत' कहानी का कथानक	'हार की जीत' कहानी में व्यक्त पशु-प्रेम				
		कहानी कला के आधार पर 'हार की जीत' का मूल्यांकन	'हार की जीत' कहानी का भावार्थ				
	ईकाई-३	हरिशंकर परसाई का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर' कहानी के पात्रों का चरित्रांकन				
		'इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर' कहानी का कथावस्तु	'इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर' कहानी में व्यक्त व्यंग्यात्मकता				
		कहानी तत्त्वों के आधार पर 'इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर' का मूल्यांकन	'इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर' कहानी में निरूपित भ्रष्टाचार				
		उषा प्रियंवदा का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	गजाधर बाबु का चरित्र चरित्रांकन				
		'वापसी' कहानी का कथानक	'वापसी' कहानी में व्यक्त सामाजिक असमानता				
		कहानी कला के आधार पर 'वापसी' का मूल्यांकन	'वापसी' कहानी में सेवासिद्धांतों की मनोदशा				
	ईकाई-४	मन्नू भण्डारी का व्यक्तित्व एव कृतित्व	सोमा बुआ का चरित्रांकन				
		'अकेली' कहानी का कथानक	'अकेली' कहानी में व्यक्त नारी-वेदना				
		कहानी कला के आधार पर 'अकेली' कहानी का मूल्यांकन	'अकेली' कहानी का परिवेश				
		ओमप्रकाश वाल्मीकि का व्यक्तित्व एव कृतित्व	'घुस पैठिये' कहानी के पात्रों का चरित्रांकन				
		'घुस पैठिये' कहानी का कथासार	'घुस पैठिये' कहानी में निरूपित दलित-जीवन का यथार्थ				
		कहानी कला के आधार पर 'घुस पैठिये' कहानी का मूल्यांकन	'घुस पैठिये' कहानी में वर्तमान शासन व्यवस्था के प्रति आक्रोश				
		कुल अंक एवं क्रेडिट		७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'उसने कहा था' कहानी का शीर्षक – 'ईदगाह' कहानी में मुस्लिम परिवेश – 'इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर' कहानी की भाषा शैली – 'अकेली' कहानी का परिवेश – 'व्रतभंग'कहानी के शीर्षक की सार्थकता – 'ईदगाह' कहानी का संदेश – 'इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर' कहानी का संदेश – 'घुस पैठिये' कहानी का शीर्षक – 'व्रतभंग कहानी का उद्देश्य – 'हार की जीत' कहानी का उद्देश्य – 'वापसी' कहानी का संदेश – 'घुस पैठिये' कहानी का उद्देश्य		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : कथाभारती
संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा
सहसंपादक : डॉ. प्रविणसिंह चौहाण
प्राप्ति स्थान : पार्श्व पब्लिकेशन, १०२–नंदन कोम्प्लेक्ष, मीठाखली गाँव, अहमदाबाद

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ : सुरेश चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, अंसारी मार्ग, नई दिल्ली
२. कहानी : नयी पुरानी : डॉ. नामवरसिंह – लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
३. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति : देवीशंकर अवस्थी – राजकमल प्रकाशन, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली
४. नयी नहानी : परिवेश और परिपप्रेक्ष्य : डॉ. रतनकुमार पाण्डेय – विश्वविद्यालय प्रकाशन
५. हिन्दी कहानी की विकास प्रक्रिया : डॉ. आनंद प्रकाश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
६. कथा भारती : संपादक – डॉ. मेरगसिंह यादव – दर्पण प्रकाशन, वल्लभविद्यानगर
७. हिन्दी कहानी : आठवाँ दशक : सरबजीत – राधाकृष्ण प्रकाशन, अंसारी मार्ग, नई दिल्ली
८. आज की कहानी – डॉ. के. एम. मालती, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
९. साठोत्तरी हिन्दी कहानी – सामाजिक चेतना : डॉ. के. एम. मालती, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१०. आधुनिक हिन्दी कहानी – सामाजिक चेतना : डॉ. एस. मेहरून, मिलिन्द प्रकाशन, हैदराबाद
११. हिन्दी की चर्चित कहानियों का पुनर्मूल्यांकन : डॉ. कुसुम वार्ष्णेय – साहित्य भवन, इलाहाबाद
१२. आधुनिक हिन्दी कहानी : डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
१३. हिन्दी कहानी का इतिहास – गोपालराय – राजकमल प्रकाशन, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली
१४. हिन्दी कहानी का इतिहास – लालचन्द्र गुप्त – राधाकृष्ण प्रकाशन, अंसारी मार्ग, नई दिल्ली
१५. हिन्दी कहानी की विकास प्रक्रिया – डॉ. आनंद – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष : २०१९–२०

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	गौण–०२ (पेपर–०१)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी काव्य								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०३	०१	०१	०१	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०१	गौण–१	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रों को हिन्दी कविता साहित्य से परिचित कराना ।
- छात्रों को व्याकरण संबंधी जानकारी देना ।
- छात्रों की कविता लेखन की सर्जनात्मक प्रतिभा को विकसित करना ।
- छात्रों की शब्द सम्पदा को विकसित करना ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय		अंक		क्रेडिट	
				नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई–१	माखनलाल चतुर्वेदी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'पुष्प की अभिलाषा' काव्य में व्यक्त राष्ट्रीयता	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		'पुष्प की अभिलाषा' का काव्य का भावार्थ	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'पुष्प की अभिलाषा' का मूल्यांकन				
		'पुष्प की अभिलाषा' काव्य का केन्द्रवर्ती विचार	'पुष्प की अभिलाषा' काव्य का शीर्षक				
		'कैदी और कोकिल' काव्य का भावार्थ	'कैदी और कोकिल' काव्य में व्यक्त कवि की राष्ट्रीय चेतना				
		'कैदी और कोकिल' काव्य में व्यक्त भारतीय सेनानी यातना	'कैदी और कोकिल' काव्य का केन्द्रवर्ती विचार				
		'कैदी और कोकिल' काव्य का संदेश	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'कैदी और कोकिल' काव्य का मूल्यांकन				
	ईकाई–२	सूर्यकान्त त्रिपाठी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'तोड़ती पत्थर' का मूल्यांकन				
		'तोड़ती पत्थर' कविता का भावार्थ	'तोड़ती पत्थर' काव्य में व्यक्त शोषिक और शोषित का संघर्ष				
		'तोड़ती पत्थर' व्यक्त श्रमीक नारी की वेदना	'तोड़ती पत्थर' काव्य में व्यक्त आधुनिकता				
		'भिक्षुक' कविता का यथार्थ	'भिक्षुक' कविता में व्यक्त संदेश				
		'भिक्षुक' कविता में व्यक्त उपेक्षित वर्ग की करूणता	भावपक्ष एवं कलापक्ष दृष्टि में 'भिक्षुक' कविता का मूल्यांकन				
		'स्नेह निर्झर वह गया है' कविता का भावार्थ	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'स्नेह निर्झर वह गया है' कविता का मूल्यांकन				
		'स्नेह निर्झर वह गया है' कविता का केन्द्रवर्ती विचार	'स्नेह निर्झर वह गया हैं' कविता का शीर्षक				
	ईकाई–३	सुभद्राकुमारी चौहान का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'मुरझाया फूल' कविता का मूल्यांकन				
		'मुरझाया फूल' कविता का भावार्थ	'मुरझाया फूल' कविता में व्यक्त मनुष्य जीवन की नि:सारता				
		'वीरों का कैसा हो वसंत' कविता का केन्द्रवर्ती विचार	'वीरों का कैसा हो वसंत' कविता में व्यक्त देशप्रेम				
		वीरों का कैसा हो वसंत' कविता का भावार्थ	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'वीरों का कैसा हो वसंत' कविता का मूल्यांकन				
	ईकाई–४	अज्ञेय का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'हिरोशीमा' काव्य में व्यक्त विज्ञान के विध्वंसक रूप				
		'हिरोशीमा' काव्य का भावार्थ	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'हिरोशीमा' काव्य का मूल्यांकन				
		'नदी के द्वीप' कविता का भावार्थ	'नदी के द्वीप' कविता का केन्द्रवर्ती विचार				
		'नदी के द्वीप' कविता में प्रतिकात्मकता	'नदी के द्वीप' कविता का भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से मूल्यांकन				
		कुल अंक एवं क्रेडिट		७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'पुष्प की अभिलाषा' का उद्देश्य – 'स्नेह निर्झर वह गया है' का उद्देश्य – 'नदी के द्वीप' कविता का उद्देश्य – 'कैदी और कोकिल' का शीर्षक – 'मुरझाया फूल' कविता का शीर्षक – 'तोडती पत्थर' का शीर्षक – 'वीरों का कैसा हो वसंत' कविता में शूरवीरता – 'भिक्षुक' का उद्देश्य – 'हिरोशीमा' में व्यक्त केन्द्रवर्ती विचार		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : आधुनिक हिन्दी काव्य
संपादक : डॉ. पाराशर
प्राप्ति स्थान : पार्श्व पब्लिकेशन, अहमदाबाद

संदर्भ ग्रंथ :

१. छायावाद और उसके कवि : डॉ. इन्द्रराजसिंह – तक्षशीला प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
२. कविता की नयी अवधारणा : डॉ. राजेन्द्र मिश्र – तक्षशीला प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
३. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि : श्री निवास शर्मा – तक्षशीला प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
४. समकालीन हिन्दी कविता : ए. अरविंदाक्षन – तक्षशीला प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
५. आधुनिक हिन्दी कविता : विश्वनाथप्रसाद तिवारी : राजकमल प्रकाशन, सुभाष मार्ग, नई दिल्ली
६. समकालीन हिन्दी कविता : विश्वनाथप्रसाद तिवारी : राजकमल प्रकाशन, सुभाष मार्ग, नई दिल्ली
७. आधुनिक कविता यात्रा, राम स्वरूप चतुर्वेदी – लोकभारती प्रकाशन, इलहाबाद
८. नयी कविताएँ : एक साक्ष्य : रामस्वरूप चतुर्वेदी – लोकभारती प्रकाशन, इलहाबाद
९. नयी कविता की पहचान : राजेन्द्र मिश्र : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
१०. नयी कविता : डॉ. देवराज – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
११. छायावादी काव्य में आत्माभिव्यक्ति : डॉ. शुभदा वाजपेयी – विकास प्रकाशन, कानपुर
१२. हिन्दी के प्रमुख कवि : रचना शिल्प : डॉ. अरविंद पाण्डेय, विकास प्रकाशन, कानपुर
१३. इक्कीसवीं सदी की हिन्दी कविता : डॉ. स्मिता सी. पटेल – शान्ति प्रकाशन, अहमदाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष : २०१९–२०

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	गौण–०२ (पेपर–०२)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	कथाभारती								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०१	०१	०२	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०१	गौण–१	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रों को हिन्दी कहानी साहित्य से परिचित कराना ।
- छात्रों को पुरानी हिन्दी कहानी के साहित्य स्वरूप से अवगत कराना ।
- छात्रों को वर्तमान कहानी–साहित्य स्वरूप से अवगत कराना ।
- कहानी लेखन की सर्जनात्मक प्रतिभा को विकसित करना ।
- छात्रों को नई हिन्दी कहानी के साहित्य स्वरूप से अवगत कराना ।
- छात्रों को कहानी में निरूपित वैचारिकता से परिचित कराना ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय		अंक		क्रेडिट	
				नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई–१	चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	कहानी के तत्त्वों के आधार पर 'उसने कहा था' का मूल्यांकन	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		'उसने कहा था' कहानी का कथानक	'उसने कहा था' कहानी के पात्रों का चरित्रांकन				
		'उसने कहा था' कहानी में व्यक्त प्रेम, कर्तव्य और बलिदान	'उसने कहा था' कहानी का परिवेश				
		जयशंकर प्रसाद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'व्रत भंग' कहानी की 'राधा' का चरित्रांकन				
		'व्रत भंग' कहानी का कथासार	'व्रत भंग' कहानी के पुरुष पात्रों का चरित्रांकन				
		कहानी कला के आधार पर 'व्रत भंग' कहानी का मूल्यांकन	'व्रत भंग' कहानी का ऐतिहासिकता				
	ईकाई–२	प्रेमचंद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	हामीद का चरित्र–चित्रण				
		'ईदगाह' कहानी का कथासार	'ईदगाह' कहानी में निरूपित बाल–मनोविज्ञान				
		कहानी कला के आधार पर 'ईदगाह' का मूल्यांकन	'ईदगाह' कहानी के चरित्रों का चरित्रांकन				
		सुदर्शन का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	बाबा भारती का चरित्र–चित्रण				
		'हार की जीत' कहानी का कथानक	'हार की जीत' कहानी में व्यक्त पशु–प्रेम				
		कहानी कला के आधार पर 'हार की जीत' का मूल्यांकन	'हार की जीत' कहानी का भावार्थ				
	ईकाई–३	हरिशंकर परसाई का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर' कहानी के पात्रों का चरित्रांकन				
		'इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर' कहानी का कथावस्तु	'इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर' कहानी में व्यक्त व्यंग्यात्मकता				
		कहानी तत्त्वों के आधार पर 'इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर' का मूल्यांकन	'इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर' कहानी में निरूपित भ्रष्टाचार				
		उषा प्रियंवदा का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	गजाधर बाबु का चरित्र चरित्रांकन				
		'वापसी' कहानी का कथानक	'वापसी' कहानी में व्यक्त सामाजिक असमानता				
		कहानी कला के आधार पर 'वापसी' का मूल्यांकन	'वापसी' कहानी में सेवासिद्धांतों की मनोदशा				
	ईकाई–४	मन्नू भण्डारी का व्यक्तित्व एव कृतित्व	सोमा बुआ का चरित्रांकन				
		'अकेली' कहानी का कथानक	'अकेली' कहानी में व्यक्त नारी–वेदना				
		कहानी कला के आधार पर 'अकेली' कहानी का मूल्यांकन	'अकेली' कहानी का परिवेश				
		ओमप्रकाश वाल्मीकि का व्यक्तित्व एव कृतित्व	'घुस पैठिये' कहानी के पात्रों का चरित्रांकन				
		'घुस पैठिये' कहानी का कथासार	'घुस पैठिये' कहानी में निरूपित दलित–जीवन का यथार्थ				
		कहानी कला के आधार पर 'घुस पैठिये' कहानी का मूल्यांकन	'घुस पैठिये' कहानी में वर्तमान शासन व्यवस्था के प्रति आक्रोश				
		कुल अंक एवं क्रेडिट		७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'उसने कहा था' कहानी का शीर्षक – 'ईदगाह' कहानी में मुस्लिम परिवेश – 'इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर' कहानी की भाषा शैली – 'अकेली' कहानी का परिवेश – 'व्रतभंग'कहानी के शीर्षक की सार्थकता – 'ईदगाह' कहानी का संदेश – 'इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर' कहानी का संदेश – 'घुस पैठिये' कहानी का शीर्षक – 'व्रतभंग कहानी का उद्देश्य – 'हार की जीत' कहानी का उद्देश्य – 'वापसी' कहानी का संदेश – 'घुस पैठिये' कहानी का उद्देश्य		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : कथाभारती
संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा
सहसंपादक : डॉ. प्रविणसिंह चौहाण
प्राप्ति स्थान : पार्श्व पब्लिकेशन, १०२–नंदन कोम्प्लेक्ष, मीठाखली गाँव, अहमदाबाद

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ : सुरेश चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, अंसारी मार्ग, नई दिल्ली
२. कहानी : नयी पुरानी : डॉ. नामवरसिंह – लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
३. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति : देवीशंकर अवस्थी – राजकमल प्रकाशन, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली
४. नयी नहानी : परिवेश और परिपप्रेक्ष्य : डॉ. रतनकुमार पाण्डेय – विश्वविद्यालय प्रकाशन
५. हिन्दी कहानी की विकास प्रक्रिया : डॉ. आनंद प्रकाश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
६. कथा भारती : संपादक – डॉ. मेरगसिंह यादव – दर्पण प्रकाशन, वल्लभविद्यानगर
७. हिन्दी कहानी : आठवाँ दशक : सरबजीत – राधाकृष्ण प्रकाशन, अंसारी मार्ग, नई दिल्ली
८. आज की कहानी – डॉ. के. एम. मालती, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
९. साठोत्तरी हिन्दी कहानी – सामाजिक चेतना : डॉ. के. एम. मालती, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१०. आधुनिक हिन्दी कहानी – सामाजिक चेतना : डॉ. एस. मेहरून, मिलिन्द प्रकाशन, हैदराबाद
११. हिन्दी की चर्चित कहानियों का पुनर्मूल्यांकन : डॉ. कुसुम वार्ष्णेय – साहित्य भवन, इलाहाबाद
१२. आधुनिक हिन्दी कहानी : डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
१३. हिन्दी कहानी का इतिहास – गोपालराय – राजकमल प्रकाशन, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली
१४. हिन्दी कहानी का इतिहास – लालचन्द्र गुप्त – राधाकृष्ण प्रकाशन, अंसारी मार्ग, नई दिल्ली
१५. हिन्दी कहानी की विकास प्रक्रिया – डॉ. आनंद – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद